श्री श्याम बिहारी जी की आरती | By Liyaqat Ali |

श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे,
बाबा के चरणों में शीश नवाओ रे।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे॥

चन्दन अगर कपूर की बाती,
प्रेम से कंचन थाल सजाओ रे।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे॥

शंख मृदंग घड़ियाल बजे,
प्रांजर की झंकार सुनाओ रे।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे॥

स्वर्ण कलश तीर चक्र विराजे,
आज उमंगों के दीप जलाओ रे।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे॥

मोर मुकुट गले मोतियों माला,
रेशम की डोरी से झूला झुलाओ रे।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे॥

केसर तिलक केसरिया बागो,
मोदक श्रीफक भेंट चढ़ाओ रे।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे॥

ऊँची अटरिया पे श्याम विराजे,
श्याम सलोने के चंवर डुलाओ रे।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे॥

सेवक जन सब शरण तुम्हारी,
डूबती नैया को पार लगाओ रे।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे॥

श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे,
बाबा के चरणों में शीश नवाओ रे।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे॥

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%b0/